भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics
पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बेंगलुरु 560064, कर्नाटक

एंथ्रेक्स (तिल्ली ज्वर)

एंथ्रेक्स गाय, भैंस, भेड़, बकरीयो का एक तीव्र व्यापक संक्रामक रोग है। यह रोग बेसिलस एन्थ्रेसिस नामक जीवाणु के कारण होता है। यह मिट्टी जनित संक्रमण है और आमतौर पर इसका प्रकोप मौसम परिवर्तन के बाद होता है। भारत में कुछ राज्यों में इस रोग का प्रकोप स्थानीक है। इसका संक्रमण संक्रमित पशुओ से मनुष्यो को भी हो सकता है।

संचरण

- एंथ्रेक्स के स्पोर मिट्टी मे कई सालो तक जीवीत रहते है
- यह आमतौर पर दूषित चारा और पानी के माध्यम से फैलता है
- कभी कभी, यह श्वसन के माध्यम से और मक्खियों द्वारा भी होता है
- भेडो के ऊन और खाल मे भी इसके स्पोर पाए जा सकते है

पशुओ में लक्षण

- शरीर के तापमान में अचानक वृद्धि (104 – 108 °F)
- तेज सांस का चलना
- गुदा, नाक, योनी से रक्तस्राव
- ऐसा रक्त बाहर आने के बाद थक्का नही जमता
- भूख न लगाना और सुस्ती
- अफरा
- पेचिश या दस्त
- अधिकतर मामलों में पशुओं की अचानक या 48 घंटे के अंदर मौत हो जाती है।

मनुष्यो में लक्षण

मनुष्यो में यह तीन रूपो मे पाया जाता है

1. त्वचा रूप : इसमे त्वचा पर जल्दी न ठीक होने वाले घाव व नासुर बन जाते है
2. फेफडो का रुप : तेज बुखार, न्युमोनिया
3. आंतो का रूप :तेज बुखार, डायरिया

पशुओं मे उपचार

- रोग के प्रारंभिक चरण में दी गई है, तो उपचार प्रभावी है।
- **उपचार के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे**

नियंत्रण

- **रोग प्रकोप होने पर तुरंत अपने नजदिकी पशु चिकित्सक से सपर्क करे**
- मरे हुए जानवरों को काटना नही चाहिए,और न ही उनकी चमड़ी निकालनी चाहिए
- ऐसे जानवरो को गहरा गढढा खोदकर दफना दे तथा उसमे चुना मिला दे
- 10% कास्टिक सोडा या फ़ार्मेलिन या 3% पर एसिटीक एसिड का उपयोग करके शेड की पूरी तरह सफाई करे
- जिन स्थानो पर इस रोग का प्रकोप देखा गया है वहा की चारागाह में पशु को ना चरने दे
- भेडो से ऊन निकालते समय मास्क का प्रयोग करे

टीकाकरण

- जिन स्थनो पर एंथेक्स का अक्सर प्रकोप देखा गया है वहा पर टीकाकरण किया जाता है एंथेक्स स्पोर टीका
- गाय ,भैंस, भेड और बकरी में @ 1 मिली त्वचा के नीचे प्रतिवर्ष

*****

संकलित और संपादित
डॉ. सतीश बी. शिवचंद्रा, डॉ. अवधेश प्रजापति, डॉ. जी. एस. देसाई, डॉ. मुदासिर चंदा, डॉ. योगीशराध्या आर., डॉ. जी. गोविन्दराज

प्रकाशक
निदेशक
भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, पोस्ट बॉक्स-6450, यलहंका, बेंगलुरु-560064, कर्नाटक
फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in

2016